सुखदाता बनो वरदाता बनो
ज्ञान गुणों से सम्पन आत्मा बनो
न दुःख लो न दुःख दो
बाप समान क्षमा के सागर बनो
शुभ भावना शुभ कामना करो
सर्व के प्रति सम्मान रखो
दिव्य गुण धारण करो
लक्ष्मी नारायण बनने का लक्ष्य रखो
अंतिम जन्म है पावन बनो
धर्मराज की सजाओ से बचो
कोई अब न गफलत करो
अपने पद को न भ्रष्ट करो
बुद्धि योग एक बाप से रखो
नाम रूप में न किसी के फंसो
बलिहारी एक बाप पर जाओ
21 जन्म सुख शांति को पाओ
सर्जन से कुछ न रोग छिपाओ
चार्ट रखने का नियम बनाओ
याद करने का पुरुषार्थ करो
माया मौसी से पीछा छुड़ाओ
बेदाग हीरे बन कर दिखलाओ
आत्मा को सतोप्रधान पवित्र बनाओ
विष्णु पुरी के राज्य में आओ
मनुष्य से देवता बनकर दिखाओ

लक्ष्मी नारायण के रूप में पूजे जाओ
बाप की आश को पूरा करो
काले से गोरा बनके दिखाओ
मामेकम याद कर प्योर बन जाओ
एवर प्योर बाप से कनेक्ट हो जाओ
पापों को विनाश कर पुण्य आत्मा बन जाओ।

ॐ शांति